वार्षिक रीयूनियन

बचपन से पचपन तक की थीम पर जुटे सहपाठी, दोस्ती के साथ मानव सेवा का दिया संदेश

पुराने यार मिले, बचपन की यादें हुईं ताजा

नवभारत , जबलपुर । होटल अशोका में रविवार को मॉडेलियन-99 बैच का वार्षिक रीयूनियन आयोजित हुआ। 'बचपन से पचपन तक और उसके बाद भी' थीम पर हुए आयोजन में लंबे समय बाद एक-दूसरे से मिले सहपाठियों के बीच स्कूल के दिनों की यादें ताजा हो गईं। कोई पुराने किस्से सुनाता नजर आया तो कहीं गीत-संगीत के बीच दोस्तों की महफिल जमी।

फ्रेंड्स केक से बढ़ीं जन्मदिन की खुशियां

रीयूनियन में इस बार जन्मदिन मनाने का अंदाज भी खास रहा। 'फ्रेंड्स' अल्फाबेट डिजाइन वाले बड़े केक को सभी साथियों ने मिलकर काटा। सालभर अलग-अलग तारीखों पर आने वाले जन्मदिनों को एक साथ मनाने की पहल की गई। साथियों का कहना था कि जन्मदिन भले अलग-अलग दिन हों, लेकिन उसकी खुशी पूरे मित्र समूह के साथ साझा की जाए।

मंच पर साझा हुए यादों के किस्से

कार्यक्रम का संचालन मॉडेलियन-99 बैच मित्र परिवार संगठन के संयोजक एवं समन्वयक इंजीनियर आशीष इन्दुरख्या 'आशू' ने किया। उन्होंने मंच से साथियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया। बातचीत में स्कूल के दिनों की दोस्ती, पुरानी शरारतों और वर्षों बाद भी एक-दूसरे से जुड़े रहने की बात सामने आई।

हर साल जुटते हैं पुराने सहपाठी

आयोजन में आलोक चौधरी 'जैन', अंकुर बासल, मीनल अग्रवाल, अभिषेक सोनोने, परिमल तिवारी, रीतेश जैन, आशीष इन्दुरख्या 'आशू', गौरव त्रिवेदी, रविकांत सोनकर, महेश कुमार शुक्ल सहित बड़ी संख्या में सहपाठी शामिल हुए। मॉडेलियन-99 का वार्षिक मिलन हर साल पुराने दोस्तों को एक साथ लाकर यादों को फिर से ताजा करता है।

2021 से जारी रक्तदान पहल को मिलेगा विस्तार

रीयूनियन में मॉडेलियन-99 रक्तदानदाता सुपर हीरोज पहल को भी आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैच द्वारा वर्ष 2021 से रक्तदान गतिविधियां की जा रही हैं। साथियों ने रक्तदान को केवल व्यक्तिगत पहल न रखते हुए इसे मानव सेवा की व्यापक मुहिम के रूप में आगे बढ़ाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर उपस्थित सदस्यों ने सहमति जताई।

श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया श्रीचन्द्राचार्य महाराज का प्राकट्योत्सव

नवभारत,जबलपुर। माँ वैष्णोदेवी यात्रा सेवा समिति, जबलपुर के तत्वावधान में परम पूज्य तपोमूर्ति सद्गुरुदेव बाबा श्री कल्याणदास जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं अध्यक्षता में उदासीनाचार्य भगवान श्री श्रीचन्द्रदेव जी महाराज का 532वां प्राकट्योत्सव रविवार, 20 सितंबर को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुआ। श्री कल्याणिका तपोवन में धर्मध्वजा आरोहण, पूजन, प्राकट्योत्सव, अरदास, कन्या-पूजन, कन्या-भोज एवं प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ। शाम को मानस भवन, राइट टाउन में भजन संध्या एवं संतों के आशीर्वचन हुए। इस मौके पर परम पूज्य जगद्गुरु नरसिंह दास जी ने कहा कि भगवान श्री श्रीचन्द्रदेव महाराज का जीवन सेवा, त्याग एवं मानव कल्याण की प्रेरणा देता है।

वहीं परम पूज्य साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव एवं आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं। परम पूज्य रमेश प्रकाश जी ने कहा कि संत श्री श्रीचन्द्रदेव जी महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज को सत्य, संयम एवं सदाचार का मार्ग दिखाती हैं। इस अवसर पर परम पूज्य जगदीश आनंद ,परम पूज्य स्वामी हर्षो दास महाराज , परम पूज्य स्वामी राघव आनंद , परम पूज्य स्वामी धोनी दास महाराज , परम पूज्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज ने भी अपना आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम में साध्वी मनीषा ने मंगल पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन सांवल दास खत्री ने किया और आभार सोनू बचवानी ने व्यक्त किया।

इनका रहा योगदान

कार्यक्रम के बाद श्री कल्याणिका तपोवन के दुर्लभ रुद्राक्ष का प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्री वासुदेव खत्री (सांवल), शंकर लाल खत्री, शमन दास आसवानी, सुधीर भागचंदानी, बबलू केसरवानी, अर्जुन पुरुस्वानी, पप्पू जयभोले, सोनू बचवानी सहित समिति के समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

एक नजर में

अंकुश कठेरिया ने पूरी की पीएचडी

जबलपुर। कांचघर, जबलपुर निवासी अंकुश कठेरिया ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (एनआईटी दिल्ली) से सफलतापूर्वक पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। अंकुश ने अपना शोध कार्य 'मल्टी-एक्सिस नियर-ड्राई इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज मशीन विषय पर किया। यह शोध आधुनिक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तकनीक से जुड़ा है। उन्होंने यह कार्य डॉ. लीलाधर नागदेवे, डॉ. हरीश कुमार और डॉ. कृष्णकांत धाकड़ के कुशल मार्गदर्शन में पूरा किया। अंकुश ने इस सफलता का श्रेय अपने शोध निर्देशकों, परिवार के सहयोग और शुभचिंतकों के आशीर्वाद को दिया। अंकुश श्री उमेश चंद्र कठेरिया और श्रीमती मिथलेश कठेरिया के सुपुत्र हैं। माता-पिता ने कहा कि बेटे की मेहनत और लगन का यह फल पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। क्षेत्र के लोगों ने भी अंकुश को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

दंडी स्वामी नेत्रालय के शिविर में मरीजों की हुई जांच

नवभारत,जबलपुर। जबलपुर दंडी स्वामी कालिकानंद धर्मार्थ नेत्रालय रेल्वे फाटक ग्राम भटौली कालीधाम गौरीघाट में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। पूरा आयोजन दंडी स्वामी कालिकानंद नंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद महाराज एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतनय महाराज के सानिध्य में हुआ जिसमें जबलपुर के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर अविजित विश्नोई ने शिविर में उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों के नेत्रों की जांच कर दवाईयां दीं गई एवं चश्मे का नंबर दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने जिन मरीजों को ऑपरेशल की आवश्यकता है उनसे कहा कि उनका जल्द निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इस संबंध में अनिल उसरेटे ने बताया कि शिविर में बढ़ चढ़कर आसपास के ग्रामीण जनों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन,अभिनव यादव, नेत्रालय समिति के प्रदीप चौहान, डी ओ पी राव, श्रीराम खत्री,सुशील सोनी, प्रभात दुबे,अजय यादव, यज्ञेश तिवारी,महिपाल राजपूत, उमेश गुप्ता, रवि दुबे,चितरंजन शर्मा, शक्ति दुबे सहित अन्य मौजूद रहे।

बसपा राज्यसभा सांसद का स्टेशन में किया गया सम्मान

नवभारत,जबलपुर। बाल्मीकि डोम-डुमार, सफाई कर्मचारी समाज द्वारा अल्प प्रवास पर रात 12 बजे जबलपुर रेलवे-स्टेशन पहुंचे बसपा के केंद्रीय प्रभारी व राज्यसभा सांसद रामजी गौतम का आभार व्यक्त करते हुये सम्मान किया गया। प्रकाश गौतेल ने बताया कि पिछले माह दिल्ली में तीन सफाई कर्मियों की सीवर लाइन में उतरकर सफाई करने के दौरान मौत हो गई थी, इसके पूर्व भी सैंकड़ों बाल्मीकि डोम-डुमार समाज के लोग गंदगी साफ़ करने के दौरान मौत के घाट उतर चुके हैं जिनकी कोई सुध लेने वाला नहीं था। लेकिन बसपा राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने इस मुद्दे को संसद में उठाकर पूरे देश के सफाई कर्मियों हालत पर सवाल उठाया साथ ही दिल्ली में मृतकों के पीड़ितों के घर जाकर मिले और फिर उनको 30-30 लाख रुपये की आर्थिक सहायता शासन से दिलाने का कार्य किया। स्टेशन में बाल्मीकि डोम-डूमार समाज जबलपुर द्वारा रामजी गौतम को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रामसेवक बिरहा,ओम समद, सीमा भोरेल,सतीश तामिया, बसपा जिला अध्यक्ष लखन अहिरवार, धीरू संग्राम,शिवदिन बाल्मीक,लक्ष्मण समुद्रे,तुलसी राम, विजय भोरेल, पवन चौहतेल, बलराम,सुरजीत चौधरी, सुशील विक्की सहित 50 से अधिक सामाजिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

दशलक्षण महापर्व : पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म की आराधना

बड़ी संख्या में पहुंचे श्रृद्धालुओं ने किया पूजन-अर्चन

नवभारत,जबलपुर। दशलक्षण महापर्व के पांचवें दिन रविवार को श्री 1008 महावीर स्वामी जिनमंदिर, धर्मातयन, श्री महावीर स्वामी मार्ग में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ उत्तम सत्य धर्म की आराधना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक महोत्सव में सहभागिता कर वीतरागी भगवान जिनेंद्र देव का पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम की शुरुआत धर्मातयन जिनमंदिर के पंचतीर्थ जिनालय में जलाभिषेक के साथ हुई।

इस मौके पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधानपूर्वक भगवान का अभिषेक कर विश्व में शांति एवं आत्मकल्याण की कामना की। इसके बाद प्रशांत एवं अजित के नेतृत्व में सामूहिक पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें पुरूष-महिला धर्मालम्बियों के साथ आज बड़ी संख्या में बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुंबई से पधारे विद्वान पंडित विपिन शास्त्री के सानिध्य में दशलक्षण महापर्व के विभिन्न धर्मों के आध्यात्मिक महत्व पर प्रवचन एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है। उत्तम सत्य धर्म के प्रसंग में उन्होंने सत्य को केवल वाणी तक सीमित न रखते हुए विचार, व्यवहार और आचरण में सत्यता अपनाने का संदेश दिया।

27 सितंबर को ज्ञानातयन जिनमंदिर में होंगे आयोजन

जैन युवा फेडरेशन के धर्मप्रचारक नितिन जैन एवं निशांत जैन ने आयोजन के संबंध में बताया कि दशलक्षण महापर्व के दौरान प्रतिदिन धर्मातयन जिनमंदिर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें समाज के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थिति रहती है7 आगामी रविवार 27 सितंबर को पाटन रोड स्थित 'ज्ञानातयन' जिनमंदिर में क्षमावाणी पर्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जबलपुर 'मुमुक्षु परिवार' परस्पर क्षमा मांगने और क्षमा प्रदान करने के साथ मैत्री, सद्भाव एवं आत्मशुद्धि का संदेश देंगे।

शिक्षा के अतीत से भविष्य की कल्पना तक पहुंचे विद्यार्थी

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का अंतिम चरण संपन्न

नवभारत,जबलपुर। भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अतीत, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं को केंद्र में रखकर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर), जबलपुर द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का पाँचवाँ एवं अंतिम चरण रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में शहर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा, तार्किक सोच, कल्पनाशीलता और विचारशीलता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस वर्ष प्रतियोगिता का विषय 'भारतीय शिक्षा व्यवस्था - अतीत, वर्तमान एवं भविष्य' रखा गया था। विषय की व्यापकता को विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी कल्पनाशक्ति और दृष्टिकोण के अनुरूप अभिव्यक्त किया। किसी ने भारतीय शिक्षा की गौरवशाली परंपराओं को अपनी रचनाओं में स्थान दिया, तो किसी ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों और तकनीकी बदलावों को रेखांकित करते हुए भविष्य की शिक्षा का स्वरूप प्रस्तुत किया।

27 को होगा पुरस्कार वितरण समारोह

कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के पाँचों चरणों के समापन के बाद अब 27 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। यह समारोह मानस भवन, जबलपुर में दोपहर 1:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगा। समारोह में प्रतियोगिता के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

रचनाओं में दिखा शिक्षा व्यवस्था का बदलता स्वरूप

वहीं लेखनी में दिखा चिंतन, चित्रों में उभरा भविष्य का भारत निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने गुरुकुल परंपरा, प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति, आधुनिक शिक्षा के विकास, तकनीकी क्रांति, डिजिटल शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान शैक्षणिक अवसरों जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों की रचनाओं में शिक्षा व्यवस्था के बदलते स्वरूप के साथ-साथ भविष्य की बेहतर और अधिक समावेशी शिक्षा को लेकर उनकी कल्पनाएँ भी देखने को मिलीं। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगों और रेखाओं के माध्यम से शिक्षा के महत्व, ज्ञान के प्रसार, डिजिटल तकनीक, विद्यार्थियों के सपनों और विकसित भारत की शैक्षणिक कल्पना को जीवंत रूप प्रदान किया।

प्रदेशभर से आए भूमकाओं की सम्मानपूर्वक विदाई

नवभारत,जबलपुर। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ जबलपुर की ओर से अमर शहीद राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस कार्यक्रम के अवसर पर 52 गढ़ के गोंडी राजाओं की स्मृति में लोकार्पित गोंडी देवस्थल में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुंचे भूमकाओं को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। संघ के संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी सहित पदाधिकारियों ने भूमकाओं का तिलक-वंदन कर श्रीफल भेंट किया और उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर विधि सलाहकार बालकिशन चौधरी, कार्यवाहक अध्यक्ष अजय झारिया, उत्तम सिंह ताराम, राजेंद्र चौधरी, नेमसिंह मरकाम, अधिवक्ता जय रोतिया, भान सिंह, बालकृष्ण उईके, गया प्रसाद धुर्वे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

देवजी नेत्रालय को मिलीं डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड की 4 सीटें

नेत्र सेवा के साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाए कदम

नवभारत,जबलपुर। 'दादा वीरेंद्र पुरी जी नेत्र संस्थान (देव जी नेत्रालय) ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दादा वीरेंद्रपुरी जी नेत्रसंस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ पवन स्थापक ने बताया कि महाकौशल अंचल के अग्रणी नेत्र चिकित्सा संस्थान दादा वीरेंद्र पुरी जी नेत्र संस्थान (देव जी नेत्रालय), जोधपुर तिलवारा घाट, जबलपुर को एक अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। संस्थान को स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा हेतु डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड की 4 सीटें स्वीकृत हुई हैं। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के साथ देव जी नेत्रालय ने उत्कृष्ट नेत्र चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ अब उच्च चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी अपने कदम मजबूती से आगे बढ़ा दिए हैं। डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड भारत में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली एक स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशलिटी चिकित्सा उपाधि) है। यह डिग्री भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और चिकित्सा के क्षेत्र में एमडी/एमएस के पूर्णत: समतुल्य मानी जाती है। डीएनबी पाठ्यक्रम मुख्य रूप से देश के प्रमुख निजी व सरकारी बहु-विशेषज्ञता अस्पतालों , राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और शीर्ष नेत्र अस्पतालों / मेडिकल कॉलेजों में संचालित होते हैं, जहाँ व्यावहारिक अनुभव पर विशेष जोर दिया जाता है।

राजयोग के अभ्यास से मन को बनाया जा सकता है शांत और शक्तिशाली

नवभारत,जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस पर प्रेमनगर स्थित शिव उपहार भवन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। माउंट आबू से पधारे वरिष्ठ राजयोगी ब्रह्माकुमार देवांग भाई एवं ब्रह्माकुमार परमेश्वर भाई का सानिध्य रहा। देवांग भाई ने कहा कि परिस्थितियां हमेशा अनुकूल हों, यह जरूरी नहीं, लेकिन राजयोग के अभ्यास से मन को शांत, स्थिर और शक्तिशाली बनाया जा सकता है। परमात्म स्मृति, सकारात्मक चिंतन और साक्षी भाव से तनाव व चिंता से मुक्त होकर सही निर्णय लेने की शक्ति मिलती है। ब्रह्माकुमारी विमला दीदी ने कहा कि वास्तविक शांति बाहरी वातावरण में नहीं, बल्कि मन की अवस्था में जन्म लेती है। नियमित राजयोग से धैर्य, सकारात्मकता और आत्मिक शक्ति बढ़ती है, जिसका प्रभाव परिवार से लेकर समाज और विश्व तक पहुंचता है। कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में उपस्थित भाई-बहनों ने विश्व में शांति, प्रेम और सद्भाव की स्थापना का संकल्प लेकर सामूहिक राजयोग का अभ्यास किया।

आस्था

मन्नतें पूरी होने से रजत गणेश मंदिर में उमड़ रहा आस्था का सैलाब , भगवा वस्त्रों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का किया गया अलौकिक श्रृंगार

चांदी के श्रीगणेश में रहता है स्वयं प्रभु का वास

नवभारत,जबलपुर। ग्वारीघाट स्थित ललपुर रोड के प्रसिद्ध रजत गणेश मंदिर में आस्था, भक्ति और अलौकिक चमत्कारों का ऐसा अद्वितीय महासंगम देखने को मिल रहा है, जिसकी मिसाल मिलना दुर्लभ है। मंदिर में स्थापित चांदी से बनी चालीस किलो की मूर्ति के समक्ष मन्नत मांगने पर भक्तों के जन्म-जन्मांतर के कष्ट, दुख और दारिद्र्य भस्म हो रहे हैं। मत्स्य पुराण के अकाट्य और परम पवित्र विधानों के अनुसार, चांदी निर्मित श्री गणेश विग्रह में स्वयं प्रभु श्री गणेश भगवान साक्षात रूप से संपूर्ण कलाओं के साथ विराजमान रहते हैं। यही कारण है कि यहाँ मांगी गई हर छोटी से बड़ी मन्नत पूरी हो रही है। इस चमत्कारिक सत्य के फैलते ही मंदिर प्रांगण में अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा है।

रविवार को मंदिर में भगवान श्री गणेश जी का भगवा वस्त्रों में इतना अलौकिक, भव्य और नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। इस दौरान ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो साक्षात स्वर्गलोक धरती पर उतर आया हो। इस अवसर पर मंदिर के पूज्य महंत प्रमोद महाराज ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि विगत तीन-चार दिनों से उमड़ती भीड़ को देखते हुए रात्रि दो बजे तक दर्शन और मन्नत मांगने हेतु कपाट खुले रहेंगे।

इसलिए पूरी होतीं हैं मनोकामनाएं

इस अवसर पर मंदिर के संयोजक डॉ. रवि राय ने कहा कि शास्त्रों में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि चांदी से निर्मित विग्रह में भगवान का वास होता है, फलस्वरूप मनोकामना पूर्ण होती है। कार्यक्रम का कुशल संचालन राजेश चौहान द्वारा किया गया। पूजन अर्चन में महेश दिवाकर, लक्ष्मी तिवारी, रूपनारायण शर्मा , खुशीराम खटवानी, पूनम ठाकुर एवं आशा खोसला शामिल थीं। पूजा-अर्चना के बाद परिसर में अति-विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उमड़े बड़े जनसैलाब ने प्रभु का अलौकिक प्रसाद ग्रहण कर असीम धर्म लाभ उठाया।

79वें संत समागम की सेवाओं का मंगलमय आगाज

हजारों श्रृद्धालुओं ने निभाई सहभागिता

नवभारत,जबलपुर। 79वें संत समागम की सेवाओं का शुभारम्भ श्रद्धा, समर्पण और सेवाभाव से परिपूर्ण वातावरण में हुआ। निरंकारी राजपिता रमित के पावन कर कमलों से सेवा स्थल का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादत के अधिकारीगण तथा हजारों श्रद्धालु भक्तों ने प्रेम और निष्ठा के साथ सेवा में सहभागिता निभाई। संत निरंकारी मण्डत की अध्यक्ष आदरणीय राजकुमारी मामी एवं संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर निरंकारी राजपिता का हार्दिक अभिनंदन किया। यह पावन अवसर सेवा को साधना और समर्पण को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा।

79वें समागम की सेवाओं के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निरंकारी राजपिता ने सतगुरु माता जी के प्रेम एवं आशीर्वाद को संतों तक पहुंचाते हुए फरमाया कि संत समागम की सेवाओं का यह विशाल स्वरूप असंख्य संतों की निस्वार्थ सेवा, त्याग और समर्पण का परिणाम है। यह हमें प्रेरणा देता है कि हमारे जीवन में भी सेवा और परोपकार का भाव आए। मानव तन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के सुख-दु:ख में सहभागी बनने के लिए मिला है। इस वर्ष संत समागम का शीर्षक 'जागृति है, जो मनुष्य को बाहरी संसार से हटकर अपने भीतर झाँकने और अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने की प्रेरणा देता है। सतगुरु माता जी ने भी कहा है कि जागरूक और चेतन होकर भक्त हर वक्त भक्ति में लीन रहते हैं। निरंकारी राजपिता ने जानकारी देते हुए ये भी बताया कि 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सानिध्य में 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थत, समालखा, हरियाणा में श्रद्धा और हर्षा ल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसमें आत्मिक चेतना और मानव-एकता के संदेश को हृदय में संजोए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होंगे।